डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित
पालि भाषा एवं साहित्य पर एक सप्ताह की कार्यशाला में अतिथियों के व्याख्यानों का विवरण

क्रम	तिथि	समय		वक्ताओं के नाम	वक्ताओं के विषय
प्रथम दिन					
1.	19.12.2016 के उद्घाटन सत्र का पल-प्रतिपल	02:00- 03:00		पञ्जीकरण एवं सभागार में सम्माननीय प्रतिभागियों द्वारा स्थान ग्रहण	
		03:00- 03:05		अतिथियों का आगमन एवं उनका स्वागत	
		03:05- 03:08		अतिथियों द्वारा भगवान बुद्ध को पुष्प अर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन	
		03:08- 03:15		केन्द्र के भिक्षुगण द्वारा सामूहिक बुद्ध वंदना एवं मंगल पाठ	
		03:15- 03:25		स्वागत वक्तव्य	प्रो. एल. कारुण्यकरा, मा. अधिष्ठाता
		मुख्य अतिथि	1	भन्ते विमलकिर्ती गुणसिरी	पालि साहित्य में ध्यान साधना पद्धति
		विशिष्ट अतिथि	2	प्रो. बालचन्द खाण्डेकर	भारत में पालि भाषा एवं साहित्य का लोप और पुनर्जागरण
			3	प्रो. एम. एल. कासारे	पालि साहित्य में आर्थिक दर्शन
			4	डॉ. नीरज बोधि	पालि साहित्य की आधुनिककाल में प्रासंगिकता एवं महत्त्व
				अध्यक्षता	मा. प्रति कुलपति, प्रो. आनंदवर्धन शर्मा द्वारा
				धन्यवाद ज्ञापन	मा. कुलसचिव द्वारा
		06:15 पर चाय अन्तराल			
द्वितीय दिन					
2	20.12.2016	03:00-04:00	1	प्रो. विमलकिर्ती मेश्राम	पालि साहित्य में वर्णित जाति, वर्ण, वर्ग, लिंग भेद और सामाजिक समानता का सिद्धांत
		04:00-04:15 चाय अन्तराल			
		04:15-05:15	2	प्रो. विमलकिर्ती मेश्राम	पालि साहित्य में महिला सशक्तिकरण और थेरीगाथा: महिला आन्दोलन का प्रथम आधार ग्रन्थ
		05:15-06:15	3	प्रो. एम. एल. कासारे	डॉ. भीमराव आंबेडकर द्वारा बौद्ध धम्म और पालि साहित्य के विकास में योगदान
06:15 पर चाय अन्तराल एवं द्वितीय दिन का सत्रावसान					
तृतीय दिन					
3	21.12.2016	03:00- 04:30	1	प्रो. भाऊ लोखंडे	पालि साहित्य में नैतिक शिक्षा एवं महत्त्व
		04:30-04:45 पर चाय अन्तराल			
		04:45- 05:30	2	प्रो. भिक्षु सत्यपाल महाथेर	भगवान बुद्ध की भाषा और उनका मार्ग
		05:30- 06:30	3	प्रो. भिक्षु सत्यपाल महाथेर	कर्म, विपाक और पुनर्जन्म का सिद्धांत
06:30- 06:45 पर चाय अन्तराल तृतीय दिन का सत्रावसान					

डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित
पालि भाषा एवं साहित्य पर एक सप्ताह की कार्यशाला में अतिथियों के व्याख्यानों का विवरण

चतुर्थ दिन					
4	22.12.2016	03:00- 04:30	1	भन्ते संघरत्न मानके	महायान परम्परा के देशों में पालि का प्रभाव
		04:30- 04:45 चाय अन्तराल			
		04:45- 06:00	2	प्रो. भिक्षु सत्यपाल महाथेर	प्रथम बुद्धोपदेश, मूल बौद्ध दर्शन का आधार
06:00- 06:15 चाय अन्तराल चतुर्थ दिन का सत्रावसान					
पञ्चम दिन					
5	23.12.2016	03:00- 04:30	1	प्रो. भिक्षु सत्यपाल महाथेर	बौद्ध संगीतियों द्वारा पालि साहित्य का संरक्षण
		04:30- 04:45 चाय अन्तराल			
		04:45- 06:00	2	डॉ. रवि शंकर सिंह	विनय पिटक और उसका महत्त्व
		06:00- 06:15 चाय अन्तराल			
षष्ठम दिन					
6	24.12.2016	03:00- 04:00	1	प्रो. सिद्धार्थ सिंह	पालि साहित्य एवं बौद्ध दार्शनिक अवधारणायें : स्थापना और पुनर्मूल्यांकन
		04:00- 05:00	2	डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य	पालि व्याकरण की आचार्य परम्परायें एवं उनके ग्रन्थ
		05:00 - 05:15 पर चाय अन्तराल			
		05:15- 06:15	3	डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य	पालि वंस साहित्य का महत्त्व एवं परम्परा
चाय अन्तराल					
सप्तम दिन					
7	25.12.2016	**09:00-09:30**		**प्रतिभागियों की परीक्षा**	**संस्कृति विद्यापीठ के कक्षों में.**
		09:45-10:30	1	प्रो. सिद्धार्थ सिंह	पालि अभिधम्म दर्शन एवं साहित्य
		10:30-11:15	2	डॉ. ज्ञानादित्य शाक्य	पालि काव्य साहित्य की रूपरेखा
		11:15 - 11:30 पर चाय अन्तराल			
	समापन सत्र	समापन सत्र **11:30-01:30**			
		मुख्य अतिथि	प्रो. भिक्षु सत्यपाल महाथेर, अध्यक्ष पालि भाषा एवं साहित्य अनुसंधान परिषद्		
		अध्यक्षता	प्रो. गिरीश्वर मिश्र, मा. कुलपति, मा. गा. अ. हि. वि., वर्धा		

नोट: 1. सभी सत्रों में **उपस्थिति शत प्रतिशत अनिवार्य** होने पर ही प्रमाण–पत्र दिया जाएगा.

2. सभी **सत्रों के अध्यापन के आधार पर एक लिखित परीक्षा भी होगी.** इसमें उपस्थिति अनिवार्य है.

3. सभी प्रतिभागी **नियत समय का पालन सुनिश्चित करेंगे.** उसके बाद उनका **व्याख्यान कक्ष में उनका प्रवेश वर्जित होगा.**

भवदीय

डॉ. सुरजीत कुमार सिंह

प्रभारी निदेशक एवं कार्यशाला संयोजक